



विद्वान मस्ती और प्यार की नौ नव ट्यों वार्ता के लिए अटैंट कले मस्ती की पाठशला

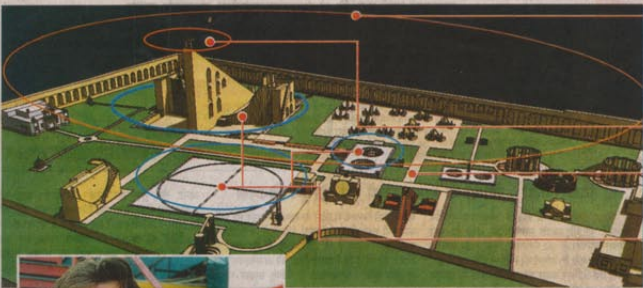


सिटी भास्कर

..... दैनिक भास्कर | जयपुर | रविवार 5 जनवरी 2008

लाइट से राह, साउंड से दिशा

नवम्बर से मार्च तक कॉस्मिक क्लॉक थीम पर जंतर-मंतर में चलेगा लाइट एंड साउंड का जादू



जंतर मंतर के चारों ओर बनेगा हाई म्यूजिक का कॉस्मिक क्लॉक साउंड

समाट यंत्र की छंदी से होगा साउंड का मन को।

सोलर लाइट दिखाएगी रास्ता

समाट यंत्र, जयप्रकाश यंत्र और विश्व यंत्र से किछरंगा लो म्यूजिक साउंड इफेक्ट



सिटी रिपोर्ट

कैसा हो अगर लाइट के जरिए रास्ते का पता चले और साउंड से दिशा का। यह सब मुमकिन होगा सिस्टमजर्नल की कम्पनी के सहयोग से। यह कम्पनी जंतर-मंतर में इस वर्ष नवम्बर से लाइट एंड साउंड प्रोग्राम शुरू करेगी।

अलफोरे कम्पनी के साउंड अर्किटेक्चर और डिजाइनर खेमिन्दर बकतासा ने जयपुर में सिटी भास्कर से बात की। उन्होंने बताया, इस शो में सोलर लाइट यूज की जाएगी। रात को दो शो होंगे, एक ईवनिंग में और दूसरा हिंदी में। इसका नाम 'जंतर मंतर बाय ईवनिंग' रखा गया है। इसका कॉन्सेप्ट कॉस्मिक क्लॉक के हिस्सा से तय किया गया है, जिसमें फीबीस स्टीकर यूज किए जाएंगे। इंग्लिश और हिंदी आयोजित होने वाले शो में यहां के कल्चर और हैरिटेज के बारे में जानकारी मिलेगी। सोफ्ट म्यूजिक के साथ हिंदी में भाषात गीता और भारतीय रागों पर आधारित म्यूजिक

प्ले किया जाएगा। बकतासा बताते हैं, दूसरे म्यूजिकल शो की तरह यह शो एंजॉय करने के लिए नहीं बल्कि मॉन्टेंट को समझने के लिए भी होगा। एक दिशा से दूसरी दिशा तक बजता म्यूजिक और लाइट का बदलाव कलर अनेकरी चीज होगी। बकतासा की पत्नी सिल्वी बताते हैं, यह म्यूजिकल थीम बनाने में उन्हें तीन माह लगे।

जंतर मंतर में कॉन्सेप्ट डिजाइन पहले इन्डोने जंतर-मंतर के सुपरिन्टेंड ओपी शर्मा से भी सल्लाह ली। ज्योतिष के अकाउंटिंग इस साउंड इमेज को डिजाइन किया है। इससे ईवनिंग टूरिज्म को प्रमोशन मिलेगा। शाम को टूरिस्ट के लिए जयपुर में नया ऑनशन तैयार होगा। अर्किटेक्चर की डायरेक्टर बीएल गुप्ता ने बताया कि ये कम्पनी अपने बजट से डिप्लेय चर्क करेगी। इसकी आय का दस परसेंट एजुकेशन पर खर्च किया जाएगा और बाकी डिपॉजिट को मिलेगा।

Dainik Bhaskar, suppl. City Bhaskar, Jaipur, 5 janvier 2008 / January 5th 2008

25 laks readers = 2'500'000 lecteurs

Path marked with light, direction with sound

A magic show of light and sound will play on the theme of the Cosmic Clock at the Jantar Mantar Observatory.

(...) Alcoreo, a Swiss company, will start a light & sound program at the Jantar Mantar. The designer of the Sound Architecture, Dominique Barthassat said there will be two shows, one in English and the other in Hindi. The concept of the show is based on the « Cosmic Clock » (...). Soft music based on Indian Ragas will play during it and on the theme will be derived from the Baghavad Gîta. The show therefore will be not only for entertainment but will also attempt to help the spectator to understand the monument. This show will therefore be a new option in Jaipur to encourage evening tourism. Director of Archaeology, Mr. B. L. Gupta said that all display work will be done by Alcoreo Company with there own budget. 10% of the income from this show will be spent on education and rest amount go to the department.